₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 088; Aug. 2019

बिषय सूची

यक जिम्मदारे दुख	1
15 अगुस्त	2
सोबी केईं असु किछ देण जे	3
तुं जमुण कोई गलती ना भो	3
लखे टके बोक	4
चुटकुले	4

अगस्त महने तिहार त होरे दन

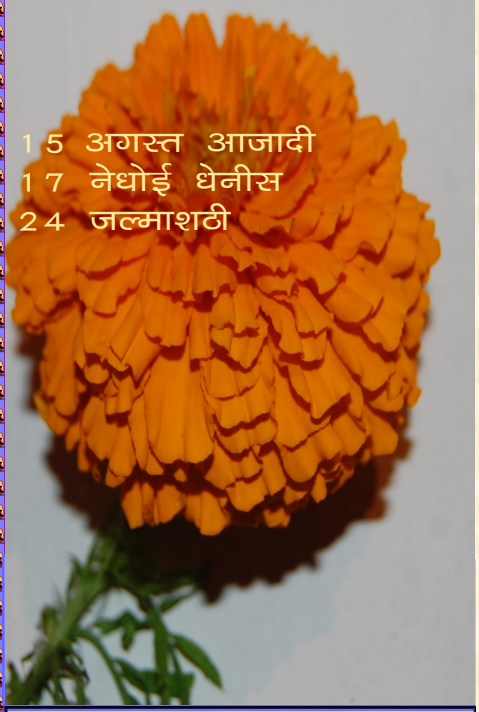

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते।

यक जिम्मदारे दुख

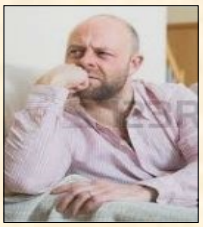

यक जिम्मदार शेहर केआं दूर अपु ग्रां बिशताथ। तेस जिम्मदारे गी केसे चीजी कमि ना थी। पर फिर बि से जिम्मदार खुश नोथ। तेस ईं लगतुथ कि से ग्रां यक जंगल भो, त से तथ अन्तर अकेला असा। यक रोज तेन सोचु कि अउं अपु ग्रांए गी बेची कइ शेहर अन्तर यक अब्बल मकान खरीदता।

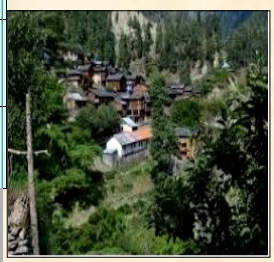

यक रोज तेन अपु यक दोस्त शेहर केआं भिआ, जे शेहर अन्तर बोडा अफसर थिआ। जिम्मदारे तेस जे बोलु, मैं इस गी बेचाई कइ त शेहर अन्तर मेन्धे यक मकान खरीदाई दे। तसे दोस्ते तेस केआं पुछु, "भाई तु अपु पितरी के अतो अब्बल गी किस बेचण चहांता? कोई दिक्कत असी ना? रुपेई के जरुरत असी त मोउं जे बोल।" जिम्मदारे अपु दोस्ते बोक शुण कई बोलु, "मैं गी शेहर केआं दूर असू। इठि शेहरे ईं पक्की बथ नेई। सोब बथ उनी-खड़ी असी। इ दरिउ जेस अन्तर मेघे पुओणी भरींतु, एस पार कर कइ शेहर जे घेण एन्तु। इठि अतो सुआ बुटे असे कि जपल ब्यार लगती त गी अन्तर पन्नी बाई भारी भोई घेन्ते। इन्हि फाटी हेर! हियुंत एन्हि पुठ डंग शी घेन्ता, त तसे बेलि सुआ ओखु भुन्तु। त बोल अउं कीं बिश सकता, इस गी अन्तर?" तसे दोस्ते बोलु "ठीक असु। अउं झठ तें गी बेचाई छता।" इ बोल कइ से घेई गा।

हेउस भ्यागे से जिम्मदार अखबार पढ़ण लगो थिआ। अखबार पढ़ते पढ़ते तसे नजर तेस पुठ गई, जेठि लिखो थिउ, "शेहरे शोर-शराबे केआं दूर, चोहरो कनारा फाटी के बुच, ताजी ताजी ब्यारी बई भरिए यक अब्बल मकान अन्तर बसाए अपु सुपने गी। गी खरीदण जे 8888888888 पुठ फोन करे।" जिम्मदारे तेस गी बारे सोच कइ, अब्बल लगु त तेन तेस गी खरीदणे मन बड़ाई छड़ा। जपल तेन तेस नम्बर पुठ फोन किआ, त हैरान भोई गा कि ए त तसेरी गीहे बारे लिखो असु। अब से समझ गा, कि से त पेहलाई केआं अपु मन पसन्दी ग्रां त गी अन्तर बिशो असा। त अब से सुआ खुश थिआ। तेन झठ अपु दोस्ते जे फोन किआ, त घर बेचण जे ना कई छड़ा।

ईहांणि हें बुछ बि केहि मेहणु एस जिम्मदारे ईं असे, जेन्हि अपु जिन्दगी केआं सुआ शिकायती असी। अस सोचते कि हें जिन्दगी सोबी केआं ज्यादी खराब असी, त सोबी केआं ज्यादे दुख असे।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

हें पता:
तुबारि पत्रिका; हरी जेनराल स्टोर,
किलाड़ बजार, त: पांगी घाटि
जिला: चंबा, 176323

ए 15 अगुस्ता, में दादु त दादि चेतान्ता तु, अत्याचारी बिलायीती बाबु के,
यक भुन्जो त लाचार देशी के, डरो त ढनो जिन्दगी मेह्णु के
गुलामी पठ पहाड़ पिहो उम्मीदी के।

ए 15 अगुस्ता, में ईया त बोउ चेतान्ता तु,
शहीद भगत सिंहे, जयी राजगुरे त रानी लक्षीबाई के,
जेन्हि अपु जान भकत चढ़ो थी, चुकाण जे मुल हें अजादी के,
बापुजी बोलु 'बखरेण लौता, अगर छुटुण असु, असी अंग्रेजी के चुंगुली के,
सुभाष चन्द्र बोस बोलु 'लौता लेहु, अगर टोड़ुण असु शंकिड़ गुलामी के',
पर तेन्हि सोबी के चाह थी, हें अजादी के।

ए 15 अगुस्ता, मोउं चेतान्ता तु, यक त्योहारी के,
जेस मनान्ते ना सिर्फ अस, बल्कि मेह्णु पूरे देशी के,
बेशक नेई पता मोउं, की भुन्तिथ भुणे गुलाम अंग्रेजी के,
तोउं बि यक होरी जे बधेए देन्ते अस अजादी के।

ए 15 अगुस्ता, काश अजादी मेतीथ असी गरीबी केआं,
झुठे नेते त कपट जुए भरो देशभक्ति केआं,
भुखमरी, शुखा पड़ुण त अकाल घेण केआं,
भ्रष्टाचार त सरकारी बाबु के घोपले-घोटाले केआं,
तोउं अस मनाई सकते, ए त्योहार पुरे दिल केआं।

सोबी केईं असु किछ देण जे

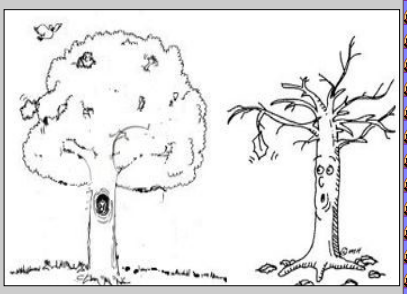

यक बोडे शोलियार देणेबाड़े बुटे भेएड़ यक बोडा शुखो बुटा थिया। शोलियार देणेबाड़े बुटे पुठ भ्यागे ब्यादी सुआ चड़ी चखुर बिशतेथ। केइ चेड़ी चखुरु त घणी शोलियारी बझई जुओई गुल्हे बि बडाई रखो थिए। पर शुके बुटे पुठ न कनि गुल्हे बड़ाओ थिए, न कोउं बिशताथ। एसे बझई जुओई शुखो बुटे तीं शरम लगतीथ। तेस शुखो बुटे पुठ भ्यागे ब्यादी सद टाई चोउर हड़ानी एई कइ अराम कतीथ।

यक रोज शुखो बुटे शोलियार देणेबाड़े बुटे जे बोलु, भाई तु कतो किसमतबाड़ा त भलु करणेबाड़ा असा। हजारो चेड़ी चखुरु तु आसरा नेते ता तुसी कतो सुख मेती न। शोलियार देणेबाड़े बुटे घमण्ड भुआ। अकड़ कइ बोलु भाई ए त अपु अपु किसमत भुओ। शुखो बुटे आश थी कि मेईं शोलियार देणेबाड़े बुटे तरीफ कियो असी त जरुर से में बि तरीफ करियाल। पर घमण्डी शोलियार देणेबाड़े नीले बुटे शुखो बुटे तरीफ अन्तर यक बोक बि न बोली। शुखो बुटे दिल टूट गा। सुआ टेम कैआं पता हियुंते महेन एण लगो थिआ। जीं जीं हियुंत ठन्हियार बधती गई शोलियार देणेबाड़े नीले बुटे सोब चेड़ी चखुरु भियागे बियदी बोडे शुखो बुटे पुठ धूप सेकण लगे। अब घणी शोलियारी बाड़े बुटे पुठि रोनक घेई गई। अब सोब चड़ी चखुर सिर्फ रात उघण जे शोलियार देणेबाड़े बुटे पुठ घेन्तेथ।

शोलियार देणेबाड़ा बुटा उदास भोई गा त तेस लगु कि बुटा नीला भोल, या शुखो भोल तसे चड़ी चखुर जुओई हमेशे हमेशे रिश्ता-नाता असा। जीमि पुठ लुंगो हर यक चीजी अपु अपु खासियत असी, बुटा चाहे बोडा भोल या मठड़ भोल, शोलियार देणे बाड़ा या बगैर पन्नि भोल। तिहांणि मनखे बि असु, कोई बोडा, कोई मठड़, कोई हेरणे अब्बल त कोई कुस्तुरा। कोई अमीर त कोई गरीब। पर एंके बेलि मनखे खासियत ना बदलती। सोबी मनख अन्तर खासियत असी, होरी देण जे कुछ ना कुछ भलाई असी। असी कोई बि मेहणु घट ना मनण चहिए, होर ना ता अपफ जे बेकार समझुण चहिए।

जिम्मदारे दुख बाकी हेस्सा

पर कि तुसी कदी अपु जिन्दगी होरी के नजर जुओई हेरणे कोशिश किओ असी ना? दोस्तो अपु जिन्दगी कदी होरी के नजरी बेलि हेरणे कोशिश करे। तिखेईं तुसी पता लगता कि तुं जिन्दगी होरी केआं कति अब्बल असी। तुस होरी केआं कतो सुखी असे।

तुं जमुण कोई गलती न भुओ

यक बझई जुओई तुस से भो,
जे तुस भो
यक मुश्किल उपाये हेस्सा तुस भो
यक किमती, सिध्द त सुआ खास
नमूना तुस भो
परमेश्वरे खास जिल्हाणु मड़द
बोलिंते तुस भुओ
यक बझह बेलि त तुं इस सूरत शक्ल बि भो

परमपिता परमेश्वरे कोई गलती नेई कियो
तुस असे बड़ाओ तेन ईये पेठ अन्तर,
तुस ठीक तीं असे, जीं चहांताथ से तुसी बणाण।
तुं ई बोउ तेनि चुणो असे,
तुसी चाहे से कीं किस ना लगे,
से परमेश्वरे उपाये हिसाब जौ तेस रुपे बणो असे
त लगो असी तेन्हि पुठ मुहरी प्रभु।

आं, तोउ पुठ आओ से सदमा, ना थिआ सुकता
तुसी जे लगो थी चोट, परमेश्वर बि लगी रोलाण
तुं मन आकार देण जे भुण दुतु इ सोब
ताकि स्वरुप अन्तर तसे, अगर बध सकियल तुस
यक बझई जुओई तुस से भो, जे तुस भो
प्रभु हतेउ बेलि बड़ओ असे तुस
ट्यारियो, तुस से भो, जे तुस भो
किस कि परमपिता परमेश्वर,
सोब किछ जुढ़ारणे बाड़ा, तुं सृष्टिकर्ता भो!

लखै टके बोक

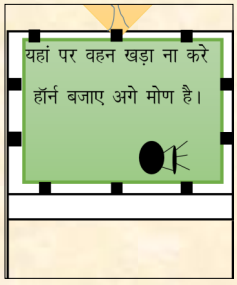

हें पांगेई सोबी रोड़ि कोठि ना कोठि बोड़ त लगोरे असे। कुछ मेहणु जे कि केसेरी इज्जत ना कते किस कि। मेईं यक, दुई बोड़ ईं काए कि तेन्हि बोड़ि बठ ईं ऊलटु सुधु मथलब बणाई छओ असा कि से कदी तेन बते बइ ना हंटते, ना अपु मां,भेंण जोई कि तेस बोड़ हेर कइ शर्म ना भुंती ना। कि तुस न चहांते ना कि हें इस पांगेईं पूरे मतोक अन्तर नोऊ रोशन भो लोतु? कि बाहरी मेहणु इस भूमि बठ ए त बोलियेल कि इठि सोब धेर साफ सुथुरु असु, त इठियांकण मेहणु ती भलमास असे।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हैंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

चुटकले

- यक मेहणु बस अन्तर दुई टिकट नी। कनेक्टर: दुई किस? मेहणु: यक फटेई गई त दोकी रेहंती। कनेक्टर: अगर दोकी बि फटेई गई त? मेहणु: त पास कपल कम एन्ता।

- यक मेहणु दुकानदार जे: यक किलो दूध दे। दुकानदार: पर तें भान्न त सुआ मठुड़ असु। मेहणु: ठीक असु त फि बकरी दूध दे।

- कुआ ईया जे: ईया, दूध पींता। ईः दूध फट गऊ। कुआ: ईया, दूध सनाड़ी त धागे बइ स्यण दे।